पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कानून–व्यवस्था, आई0जी0आर0एस0, सी0एम0 हेल्पलाइन, आगामी त्योहारों की तैयारियों, धान खरीद और स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की

आगामी पर्व–त्योहारों और मेलों के अवसर पर प्रदेश में 'स्वच्छता, सुरक्षा और सतर्कता' सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए : मुख्यमंत्री

पर्व–त्योहारों पर लाखों श्रद्धालु घाटों और मेलों में पहुंचते, ऐसे में भीड़ प्रबन्धन, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक–चौबन्द होनी चाहिए, किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी

नदियों का जलस्तर अभी ऊँचा है और प्रवाह तेज है, इसलिए स्नान घाटों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए

बिना लाइफ जैकेट के कोई भी नाविक या पर्यटक बोटिंग न करे

हाल की वर्षा से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वेक्षण कर बिना विलम्ब क्षतिपूर्ति का भुगतान नियमानुसार कराने के निर्देश

धान खरीद की प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी रहे और किसानों को असुविधा न हो, खाद एवं उन्नत बीजों की पर्याप्त उपलब्धता हर जनपद में सुनिश्चित की जाए

आशा, आंगनबाड़ी, रसोइया तथा मानदेय पर कार्यरत कर्मियों को हर माह समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

जिलाधिकारी निराश्रित गो–आश्रय स्थलों का निरीक्षण करें, सुनिश्चित करें कि प्रत्येक गोवंश को चारा–पानी और चिकित्सा की समुचित सुविधा मिले

'विकसित उत्तर प्रदेश@2047' अभियान के सम्बन्ध में अब तक विभिन्न जनपदों से 72 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए

इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाए, ताकि उ0प्र0 के विकास का रोडमैप जनता के सुझावों से और सशक्त बने

लखनऊ : 03 नवम्बर, 2025

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने निर्देश दिए हैं कि आगामी पर्व–त्योहारों और मेलों के अवसर पर प्रदेश में 'स्वच्छता, सुरक्षा और सतर्कता' सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना का कार्य है। प्रत्येक श्रद्धालु की सुविधा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना हर अधिकारी का दायित्व है। भीड़ प्रबन्धन और ट्रैफिक मैनेजमेण्ट पर जोर देते हुए

मुख्यमंत्री जी ने यह भी निर्देश दिए कि स्नान घाटों, मेलों और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर अराजक या अवांछनीय तत्वों की उपस्थिति किसी भी दशा में न होने पाए। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि माहौल पूर्णतः शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धाभाव से भरा रहे।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की कानून–व्यवस्था, आई0जी0आर0एस0, सी0एम0 हेल्पलाइन, आगामी त्योहारों की तैयारियों, धान खरीद और स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा कर रहे थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्पन्न इस बैठक में सभी मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और शासन स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली, गुरु नानक जयन्ती, ददरी मेला (बलिया) और गढ़मुक्तेश्वर मेला (हापुड़) जैसे आयोजनों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पर्व–त्यौहारों पर लाखों श्रद्धालु घाटों और मेलों में पहुंचते हैं, ऐसे में भीड़ प्रबन्धन, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक–चौबन्द होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। घाटों पर पर्याप्त प्रकाश, फ्लोटिंग बैरियर, सी0सी0टी0वी0 कैमरे, स्वास्थ्य उपकेन्द्र, मोबाइल टॉयलेट, खोया–पाया केन्द्र और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नदियों का जलस्तर अभी ऊँचा है और प्रवाह तेज है, इसलिए स्नान घाटों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। उन्होंने एस0डी0आर0एफ0 और एन0डी0आर0एफ0 की सक्रिय तैनाती के निर्देश देते हुए कहा कि बिना लाइफ जैकेट के कोई भी नाविक या पर्यटक बोटिंग न करे। काशी में देव दीपावली, अयोध्या, प्रयागराज, हापुड़, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बदायूं और बलिया जैसे जिलों में सर्वाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं चाक–चौबन्द कर ली जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संवेदनशील स्थलों पर ड्यूटी के दौरान 'रील' बनाने वाले पुलिसकर्मियों की तैनाती कतई न की जाए, ताकि जनसेवा के कार्य में अनुशासन और मर्यादा बनी रहे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि धान खरीद की प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी रहे और किसानों को असुविधा न हो। किसी भी स्तर पर बिचौलियों की भूमिका स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि खाद एवं उन्नत बीजों की पर्याप्त उपलब्धता हर जनपद में सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने हाल की वर्षा से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वेक्षण कर बिना विलम्ब क्षतिपूर्ति का भुगतान नियमानुसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को मुआवजे के लिए किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने अवैध खनन को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि विशेष टीम गठित कर औचक निरीक्षण कराए जाएं। यदि किसी भी क्षेत्र में अनियमितता पायी गई, तो सम्बन्धित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री जी ने निराश्रित गो–आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिलाधिकारी स्वयं इन स्थलों का निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक गोवंश को चारा–पानी और चिकित्सा की समुचित सुविधा मिले। उन्होंने आशा, आंगनबाड़ी, रसोइया तथा मानदेय पर कार्यरत कर्मियों को हर माह समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जी ने 'विकसित उत्तर प्रदेश@2047' अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अब तक प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 72 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। जौनपुर, गाजीपुर, हरदोई, प्रतापगढ़, बिजनौर, गोरखपुर, बरेली, सोनभद्र और गोण्डा सहित कई जिलों से लोगों ने विकास के उपयोगी विचार साझा किए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाए, ताकि उत्तर प्रदेश के विकास का रोडमैप जनता के सुझावों से और सशक्त बने।

————————

PN-CM-VC-Law & Order-03 November, 2025